प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ

ग्रामीण प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर

रोजगारोन्मुखी शिक्षा–ग्रामीण प्रौद्योगिकी

ग्रामीण प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला :–

नवोदित बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर में संचालित ग्रामीण प्रौद्योगिकी अध्ययन अध्ययनशाला की स्थापना वर्ष 2010 में ग्रामीण व प्राकृतिक संसाधनों के समुचित प्रबंधन कर ग्रामीणों के परंमपरागत ज्ञान को ग्रामीण तकनीक व प्रौद्योगिकी के रूप में विकसित कर उन्हें समग्र विकास में भागीदार बनाने, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने एवं ग्रामीण व सुदूर वनांचलों में शोध गतिविधियों को संचालित किये जाने के प्रमुख उदेद्श्य से इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ किया गया है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में ग्रामीण प्रौद्योगिकी अध्ययनशााला में कुल 34 छात्र –छात्राऐं अध्ययनरत् है साथ ही इस वर्ष 2013 एम.एस.सी ग्रामीण प्रौद्योगिकी का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा।

पाठ्यक्रम का स्वरूपः–

एम.एस.–सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम का स्वरूप विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं रोजगार मुहैया कराये जाने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो वर्ष की अवधि में कुल (04) चार सेमेस्टरों में विभिन्न विषयों पर सेमेस्टर के अनुरूप अध्यापन कराया जा रहा है।जिसमें ग्रामीण आवश्यकता आधारित तकनीक से संबंधित विभिन्न विषयों जैसेः–स्थाई ग्रामीण तकनीक, ग्रामीण उर्जा प्रबंधन, रेशम पालन , ग्रामीण विकास योजना एवं प्रबंधन मधुमक्खी पालन, जैविक खाद उत्पादन , लाख पालन , मशरूम उत्पादन , बस्तर कला, शोध प्रविधि, सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग, गैर काष्ठीय लधु वनोपज औषधिय पौधो का प्रबंधन, ग्रामीण अधोसंरचना व विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, प्राकृतिक उत्पादों का प्रसंस्करण व श्रेणीकरण, तथा सुदूर संवेदन जैसे विषय समाहित किये गये है तथा छात्रों को प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक अध्ययन के साथ–साथ प्रक्षेत्र भ्रमण कराया जाता है। अध्ययन के दौरान पाठ्यक्रम आधारित सेमीनार एवं परियोजना कार्य हेतु छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं के ज्ञान एवं अनुभव की प्रस्तुतीकरण हेतु अध्ययनशाला के प्राध्यापकों द्वारा मार्गदर्शन व दिशा निर्देश निरन्तर प्रदान किया जा रहा है जिससे बस्तर क्षेत्र के छात्र–छात्राऐं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतीकरण दे सकें। इस हेतु अध्ययनशाला में आन्तरिक सेमीनार आयोजित किया जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम	प्रवेश हेतू योग्यता/आर्हता	निर्धारित सीट
एम.एस.–सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी (M.Sc. Rural Technology)	बी.एस.–सी.–ग्रामीण प्रौद्योगिकी, बी.एस.–सी., बी.ई, बी.टेक, बी.एस.–सी. कृषि, में स्नातक उपाधि अथवा विज्ञान संकाय के समकक्ष स्नातक उपाधि।	30
गैर सरकारी संगठन प्रबंधन में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (Certificate programme in NGOs Management)	12वीं उत्तीर्ण ।	30

रोजगार के अवसरः–

एम.एस.–सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी उपाधि धारक निजी व सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते है, अध्ययन उपरांत उन्हें सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठनों में परियोजना अधिकारी, परियोजना प्रबंधक, शैक्षणिक संस्थानों में सहायक प्राध्यापक, शोध सहायक, शोध संस्थानों में, वैज्ञानिक, रिसर्च फेलो, समन्वयक, परामर्शदाता, सलाहकार, तथा राज्य व केंद्र शासन ,द्वारा संचालित विभिन्न ग्राम विकास परियोजनाओं जैसेः– आदिवासी विकास परियोजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गांरटी योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संपूर्ण स्वच्छता अभियान, कृषि परियोजनाओं, तथा वानिकी परियोजनाओं के साथ–साथ विभिन्न अर्तराष्ट्रीय , राष्ट्रीय संगठनों जैसे आईफेड, यूनीसेफ, डब्ल्यू.एच.ओ., विश्व बैंक, स्वामी नाथन फाउंन्डेशन, सद्गुरू संस्थान, केयर इंडिया, प्रदान एवं विभिन्न कार्पोरेट संस्थानों के सामुदायिक सेवा विभागों में कार्य व रोजगार के अवसर प्राप्त होते है।

अनुभवानुपरांत इस विषय के उपाधि धारक ग्रामीण प्रौद्योगिकी से जुडे विभिन्न विषयों पर स्वयं का लधु उद्योग स्थापित कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकता है एवं गैर सरकारी संगठन की स्थापना कर समाजसेवी के रूप में भी दायित्व अदा कर सकता है

पाठ्यक्रम का महत्व :–

आज देश की गरीबी को दूर करना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए केंद्र शासन के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कई लोक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरूवात की गयी है जो ग्राम विकास पर आधारित है

छत्तीसगढ में भी ग्रामीण प्रौद्योगिकी उपाधि धारक शैक्षणिक संस्थानों में सहायक प्राध्यापक, शोध सहायक, विभिन्न परियोजनाओं में प्रबंधक व परियोजना अधिकारी तथा उपअभियंता के रूप में अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे है।इस क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं को देखते हुए ग्रामीण प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना कैरियर की दृष्टि से बेहतर माना जा सकता है ।

प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र/छात्राएँ निम्नलिखित मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क करें।		
ग्रामीण प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, बस्तर विष्वविद्यालय,जगदलपुर (छ.ग.)		
डॉ. अनुपम तिवारी	प्रभारी विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक	9424140268 9301554506
श्री देवेश चन्द्र वंशी,	सहायक प्राध्यापक,	9302640404 8435712888
श्री सुजीत कश्यप,	सहायक प्राध्यापक,	07828743837
श्री प्रवीण द्विवेदी,	Lab Technician	7879288252 9893225689